सिर्फ़ एक रात अंजलि का साथ

“आशु जैन मेरा नाम आशु है, मैं एक 23 साल का नौजवान हूँ जिसके मन में सेक्स और प्यार को लेकर बहुत सारी भावनाए हैं। मैं दिखने में आकर्षक हूँ और मुझे लोगों से मिलना-जुलना पसंद है। मेरी इसी आदत का मुझे एक दिन बहुत बड़ा इनाम मिला जब मुझे वो मिली… ! आप सोच रहे […] …”

Story By: (ashu.jain)
Posted: Monday, September 1st, 2014
Categories: कोई मिल गया
Online version: सिर्फ़ एक रात अंजलि का साथ

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सिर्फ़ एक रात अंजलि का साथ

आशु जैन

मेरा नाम आशु है, मैं एक 23 साल का नौजवान हूँ जिसके मन में सेक्स और प्यार को लेकर बहुत सारी भावनाए हैं। मैं दिखने में आकर्षक हूँ और मुझे लोगों से मिलना-जुलना पसंद है। मेरी इसी आदत का मुझे एक दिन बहुत बड़ा इनाम मिला जब मुझे वो मिली… !

आप सोच रहे होंगे कि वो कौन..!

तो चलिए मैं आपको बता ही देता हूँ कि वो कौन हैं..!

यह मेरी पहली कहानी है। मैं उम्मीद करता हूँ कि आपको मेरी कहानी पसंद आएगी।

एक बार मैं अपनी कम्पनी के काम से हैदराबाद से मुंबई जा रहा था। मेरी फ्लाइट को आने में अभी समय था तो मैंने सोचा कि चल कर कुछ खा-पी लिया जाए।

मैं एयरपोर्ट पर ही एक अच्छे से रेस्टोरेंट में गया और वहाँ मैंने अपना ऑर्डर दिया।

मेरे सामने वाली सीट पर एक बहुत ही सुंदर लड़की बैठी थी, वो शायद काफी देर से अपने ऑर्डर का इंतज़ार कर रही थी और उसे थोड़ा गुस्सा भी आ रहा था।मैं उसे बार-बार देख रहा था। उस हसीना से नज़रें हटाना मुश्किल था।

थोड़ी देर में वेटर मेरा ऑर्डर लेकर आया पर उसका ऑर्डर शायद अभी तक तैयार नहीं था।

मैंने अपना ऑर्डर देखा तो पता चला कि यह मेरा ऑर्डर नहीं है, पर मैं उससे कुछ कहता इतने में उस अप्सरा ने उस बेचारे वेटर को बुरी तरह से डांटना शुरू कर दिया- मुझे ऑर्डर दिए एक घंटा हो गया है.. और अभी तक मेरा खाना नहीं आया, जबकि मेरे बाद में आने वालों को तुम खाना दिए जा रहे हो..!

उस वक़्त हमारे अलावा उस रेस्टोरेंट में बहुत कम लोग थे और लगभग सभी के पास खाना था। मुझे यह समझने में देर नहीं लगी कि यह ऑर्डर उसका ही है।

मैं खाने की प्लेट लेकर उसके पास गया और बोला- शायद यह आपका ऑर्डर है.. और वो

वेटर गलती से मुझे दे गया है!
तो उसने मुझे बोला- देखो मिस्टर, इस तरह की सस्ती हरकतों से मुझ पर लाइन मारने की हरकत करके मुझे फंसाने की जरूरत नहीं है!
तो मैंने बोला- देखो, तुम्हें शायद बात करने की तमीज़ नहीं है.. बिना सोचे कुछ भी बोल रही हो.. मैं एक बहुत ही शरीफ इंसान हूँ और अपने काम से काम रखना पसंद करता हूँ!
और उसी वक्त मैंने उस वेटर को बुला कर कहा- तुमने मुझे गलत ऑर्डर दिया है और अब मुझे तुम्हारे होटल में नहीं खाना है... मेरा ऑर्डर रद्द कर दो!
तो उसने ऑर्डर देख कर कहा- सॉरी सर.. मैंने गलती से मैडम का ऑर्डर आपको दे दिया है!
उसने मेरी हाथ से प्लेट लेकर वो उस लड़की के पास देने गया। मुझे जाता हुआ देख कर वो लड़की मेरे पास आई और बोली- सॉरी.. मैंने किसी और का गुस्सा आप पर निकाल दिया.. आप बुरा न माने और लंच कर लें।
मैंने उसकी तरफ देखा वो लज्जित महसूस कर रही थी।
मैंने कहा- ठीक है, आगे से किसी को कुछ भी कहने से पहले सोच लेना..!
फिर मैंने मेरा ऑर्डर मंगा लिया और एक टेबल पर जाकर बैठ गया।
मुझे अकेला देख कर वो मेरे पास आई और बोली- क्या मैं आपके साथ बैठ सकती हूँ?
मैंने कहा- जी, ठीक है!
उसके बाद बातों-बातों में उसने बताया कि उसका नाम अंजलि है।
तो मैंने कहा- अंजलि.. वो शाहरुख़ वाली?
तो वो हँस पड़ी और बोली- नहीं.. हैदराबाद वाली!
फिर मैंने उसे अपना नाम बताया। फिर हमने अपने काम के बारे में एक-दूसरे को बताया। वो एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करती थी और मैं भी, इससे हमारी बातचीत और बढ़ गई।
हमने हमारा लंच समाप्त किया और जाते हुए उसने बोला- आप ड्रिंक करते हैं?
तो मैंने कहा- कभी-कभी.. हमेशा नहीं लेता।

तो वो बोली- चलिए आज मेरे साथ हो जाए !
मैंने कहा- ठीक है…
और हमने एक-एक ड्रिंक लिया और तभी मेरी फ्लाइट की घोषणा हो गई। मैं जाने लगा तो पता चला कि इत्तफाक से उसकी फ्लाइट भी वही थी।
मैंने सोचा क्या मौका है.. मस्त माल एक ही फ्लाइट में…!
और अपनी किस्मत को शुक्रिया बोला।
मैंने फ्लाइट में अपने साथ वाले पैसेंजर की सीट उससे बदल ली, अब हम साथ में ही मुंबई जा रहे थे।
रास्ते में मैंने उससे उसके बारे में पूछा, तो पता चला उसका कोई बॉय-फ्रेंड नहीं हैं और वो कोई रिश्ते में बंधना भी नहीं चाहती है।
मैंने बोला- मैं भी कुछ ऐसा ही सोचता हूँ।
और बातों-बातों में मुंबई आ गया।
एयरपोर्ट पर उसे अकेला छोड़ने का मन तो नहीं कर रहा था, पर क्या करूँ ऑफिस का काम भी जरुरी था तो मैंने उसे अपने होटल की जानकारी देते हुए कहा- यदि तुम्हें समय मिले, तो बताना साथ में कहीं डिनर पर चलेंगे।
वो कुछ अजीब तरह से मुस्कुराई और हमने एक-दूसरे को अलविदा कह दिया।
मैंने अपने होटल में कमरा लिया और मैं अपने काम में व्यस्त हो गया।
मुझे अपना काम खत्म करने में लगभग रात के दस बज गए थे और मैं होटल आया ही था कि मैंने लाउन्ज में उसे देखा। मैंने सोचा क्या किस्मत है..!
मैं उसके पास गया और पूछा- यहाँ कैसे ?
तो वो बोली- डिनर पर बुला कर खुद भूल गए ?
तो मैंने कहा- ओह 'सॉरी' मैं तो भूल ही गया था।
फिर हमने होटल के रेस्टोरेंट में ही डिनर किया।
हमें काफी देर हो गई थी तो मैंने उससे कहा- इतनी रात को तुम कहाँ अपने होटल

जाओगी, आज यहीं रुक जाओ!
उसने कहा- यहाँ कहाँ? मेरा रूम आलरेडी बुक है। मैं एक और कमरा क्यूँ लूँ?
तो मैंने कहा- मत लो एक और कमरा.. आज मेरे साथ ही रुक जाओ।
वो बोली- फ़्लर्ट करने का यह अलग तरीका है.. सीधे रूम में ले जाने की बात कर रहे हो..!
तो मैंने कहा- फ़्लर्ट करने का कुछ फायदा मिले, तो काम का है!
वो शायद मेरे इरादे समझ रही थी और वो भी सबके लिए तैयार थी तो बोली- मैं आ तो जाऊँगी, पर मेरा क्या फायदा होगा और अकेले तुम्हारे साथ एक कमरे में..!
तो मैंने कहा- एक बार चलो तो फायदा हम करा देंगे और जो मांगोगी वो भी ला देंगे।
फिर हम ऐसे ही बात करते हुए मेरे रूम में गए, वो फ्रेश होने के लिए बाथरूम में गई।
जब वो बाहर आई तो उसका शर्ट गीला था और उसकी शर्ट में से झाँकते हुए उसके चूचे मुझे साफ़ दिख रहे थे। मैं अपनी नज़र उनसे हटा ही नहीं पा रहा था।
उसने मुझे घूरते हुए देख लिया था तभी उसने कामुक अंदाज़ में कहा- जनाब की नज़रें कहाँ हैं… हमारा चेहरा तो ऊपर है!
मैंने कहा- हुस्न को निहारने के लिए पूरा बदन देखना पड़ता है और तुम तो खुद क़यामत हो… कोई अपनी नज़रें सम्भाले भी तो कैसे…!
वो बोली- बातें तो बहुत बना लेते हो.. अब सिर्फ बातें ही बनाओगे या कुछ करोगे भी?
मैं उसका इशारा समझ गया और उसे अपनी बांहों में लेकर चूमने लगा, वो भी पूरी तरह से मेरा साथ दे रही थी।
हम लगभग पंद्रह मिनट तक एक-दूसरे को ऐसे ही चूमते रहे, फिर उसने मुझे बिस्तर पर धक्का देकर गिरा दिया और मेरे ऊपर आ गई और मेरी शर्ट के बटन खोलने लगी।
मैं भी उसका शर्ट खोलने लगा और साथ में उसके बड़े-बड़े मम्मों के साथ खेलने लगा। वो बहुत ही मादक आवाज़ में ‘आहें’ भर रही थी। कमरे की मंद रोशनी हमारे बदन में और आग लगा रही थी।
मैंने उठ कर उसके मम्मों को चूसना चालू किया तो उसने और जोर से चूसने को कहा।

मैं काफी देर तक उसके मम्मों को चूसता रहा और बीच-बीच में मैं उसके निप्पल को अपने दांतों से काट भी लेता तो वो गर्म सिसकारियाँ भरने लगती।
हम दोनों एक-दूसरे के बदन के साथ खेल रहे थे। प्यार का यह खेल रात के साथ-साथ और जवान हो रहा था।
थोड़ी देर के बाद उसने मेरी पैंट खोलना चालू किया और मेरे लंड को अपने हाथ में लेकर उसे सहलाने लगी।
मैंने उसे बेड पर लेटाया और उसे पूरी तरह से कपड़ों से आज़ाद कर दिया। अब उसके और मेरे बीच सिर्फ हवा का पर्दा था।
मैं उसके बदन को पागलों की तरह चूमने लगा। उसे भी इसमें मज़ा आ रहा था।
वो बोली- जान… अब और देर ना करो मुझे पूरी तरह से अपना लो… अब मुझसे और सब्र नहीं होता।
पर मैं तो उसके बदन के जाम लिए जा रहा था.. धीरे-धीरे मैंने अपने रुख उसकी चूत की तरफ किया।
उसने अपनी चूत को बिल्कुल साफ़ कर रखा था और उत्तेजना के कारण उसकी चूत में से अमृत निकल रहा था, उसकी चिकनी चूत पूरी तरह से गीली थी और चमक रही थी।
मैंने उसकी चूत को चूसना चालू किया, वो और जोर से सिस्कारियां लेने लगी और ‘आहें’ भरने लगी।
काफी देर चूसने के बाद वो उठी और उसने मेरे लंड को अपने हाथ में लिया और उसे चूसने लगी।
वो मेरे लंड को इस तरह से चूस रही थी जैसे कोई आइस-क्रीम हो और उसे चूसने के साथ-साथ वो हिल भी रही थी।
काफी देर तक चूसने के बाद मैंने उसे उठाया और बेड पर लेटा दिया और उसकी चूत को अपनी ऊँगलियों से मसलने लगा, उसे सहलाने लगा। फिर मैंने उसकी चूत के दाने को सहलाना चालू किया बीच-बीच में उसे चूसता भी जा रहा था।

वो अब अपना आपा खोती जा रही थी, उसने कहा- बस.. अब मुझे चोद दो… अब और इंतज़ार नहीं होगा.. आज मुझे अपने लंड का स्वाद चखा दो… मेरी चूत की प्यास बुझा दो!

मैंने अपना लंड उसकी चूत पर रखा और एक जोरदार धक्का दिया, उसकी टाइट चूत में मेरा लंड एक ही बार में ही आधा घुस गया।

वो जोर सी चीखी… फिर थोड़ा सांस लेते हुए बोली- अब पूरा पेल दो और देर ना करो।

मैंने एक और धक्के में अपना पूरा लंड उसकी चूत में उतार दिया और उसे पूरी ताकत से चोदने लगा।

वो तरह-तरह की आवाज़ निकाल रही थी और मैं भी… हमारी प्यार भरी सिसकारियों और आहों से पूरा कमरा गूंजने लगा।

मैं उसे ऐसे ही आधे घंटे तक चोदता रहा, फिर हम दोनों साथ साथ ही झड़ गए।

उसने मुझसे कहा- आज तक मैंने चुदाई का इतना मज़ा कभी नहीं लिया था… आज तुमने मुझे स्वर्ग का सुख दिया है।

फिर हम ऐसे ही नंगे एक-दूसरे की बाँहों में सो गए।

सुबह उसने मेरे लिए कॉफ़ी बनाई और मेरी गोद में आ कर बैठ गई।

हमने साथ में कॉफ़ी पी.. एक ही कप में !

और फिर साथ में ही नहाए, हमने फिर कोई चुदाई नहीं की, पर अगले दिन हम साथ में घूमे और काफी देर एक-दूसरे के साथ रहे। मुंबई से हैदराबाद भी साथ में आए।

वो ट्रिप मुझे हमेशा याद रहेगी।

हमने एक-दूसरे से कोई संपर्क नहीं रखा, हम चाहते भी यही थे। एक अल्प समय पर प्यार से भरा हुआ रिश्ता, जो ज़िन्दगी भर अपनी मीठी याद दिलाता रहे।

आपको मेरी कहानी कैसी लगी। मुझे मेल करके जरुर बताइएगा।

ashu.jain2606@gmail.com

Other stories you may be interested in

ममेरे भाई ने मेरी कुंवारी चूत की चुदाई की-1

दोस्तो, मेरा नाम आशना है. मैं अहमदाबाद में रहती हूँ. आज जब मैं संसार की सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली हिंदी में सेक्स कहानी वाली अन्तर्वासना की साइट पर सेक्स स्टोरी पढ़ रही थी. तब मुझे लगा कि मुझे भी […]
Full Story >>>

भाभी के साथ मजेदार सेक्स कहानी-1

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम इंद्रबीर है, मैं पंजाब का रहने वाला हूँ. मैं अन्तर्वासना शायद तब से पढ़ता आ रहा हूँ, जब से मेरे लंड ने होश संभाला है. वो जैसे कहते हैं बूँद-बूँद से सागर बन जाता है, वैसे […]
Full Story >>>

बहन बनी सेक्स गुलाम-6

अभी तक आपने पढ़ा कि मेरी रंडी बहन मुझे चुदाई के खेल में खेल रही थी मैं उसके साथ वाइल्ड सेक्स कर रहा था, जोकि उसी की पसंद थी. अब आगे : मैं उसके पीछे आया और उसके बाल पकड़ कर […]
Full Story >>>

ताऊ जी का मोटा लंड और बुआ की चुदास

जो कहानी मैं आप लोगों को सुनाने जा रहा हूं वह केवल एक कहानी नहीं है बल्कि एक सच्चाई है. मैं आज आपको अपनी बुआ की कहानी बताऊंगा जो मेरे ताऊ जी के साथ हुई एक सच्ची घटना है. आगे […]
Full Story >>>

बहन बनी सेक्स गुलाम-5

दोस्तो, मेरी इस सेक्स कहानी को आप लोगों का बहुत प्यार मिला. मैं फिर से आपका सबका धन्यवाद करना चाहता हूँ और नए अंक के प्रकाशन में देरी के लिए क्षमा चाहता हूँ. कहानी थोड़ी लंबी हो रही है क्योंकि […]
Full Story >>>